

## برنامج مقترن لنترانيم قداس الأحد والاحتفالات

المصدر: كتاب الترنيم الرسمي في الكنيسة اللاتينية في الأرض المقدسة

| الأحد السادس من زمن السنة (أ) |      |              |   | الأحد / الاحتفال                   |
|-------------------------------|------|--------------|---|------------------------------------|
| " أما أنا فأقول لكم "         |      |              |   | موضوع الإنجيل<br>أو الاحتفال       |
| طريقة الأداء*                 | صفحة | رقم الترنيمة | الترانيم المقترنة                                       | أجزاء القدس                        |
| الجوفة + الشعب                | 217  | 8            | ١- إن شعبك يسيّر<br>٢- هلموا نن Sheldon للرب            | ترنيمة الدخول:<br>أو<br>أو<br>أو   |
| الجوفة + الشعب                | 220  | 12           | ٣- أعطيوني يا ربى أمشي<br>٤- يا رب هبني                 | أو<br>أو<br>أو                     |
| الجوفة + الشعب                | 425  | 371          |   |                                    |
| الجوفة + الشعب                | 432  | 382          |   |                                    |
| جوقنان                        | مرتل | نداء الأحد   | ١- طوبى لمن يتبعون شريعتك يا رب<br>٢- كلامك مصباح لخطاي | المزمور:<br>أو                     |
| جوقنان                        | 239  | 58           |   |                                    |
| الجوفة + الشعب                | مرتل | نداء الأحد   | ١- طوبى لمن يتبعون شريعتك يا رب<br>٢- كلامك مصباح لخطاي | ردة المزمور:<br>أو                 |
| الجوفة + الشعب                | 239  | 58           |   |                                    |
| الجوفة + الشعب                | 259  | 110          | ١- لا أقبلن قربانا                                      | ترنيمة التقدمة:<br>أو              |
| الجوفة + الشعب                | 261  | 116          | ٢- يا رب إقبل تقدمنا                                    | أو                                 |
| الجوفة + الشعب                | 261  | 114          | ٣- هلم أيها الرَّبُّ يسوع<br>٤-                         | أو<br>أو<br>أو                     |
| الجوفة + الشعب                | 431  | 381          | ١- يا رب أنت لي<br>٢- لا تعمدوا للقوت الفاني            | ترنيمة المناولة:<br>أو<br>أو<br>أو |
| الجوفة + الشعب                | 386  | 316          |   |                                    |
| الجوفة + الشعب                | 376  | 303          | ٣- ما أقبل أن تبدل                                      |                                    |
|                               |      |              | ٤-  |                                    |
| الجوفة + الشعب                | 485  | 467          | ١- أعطي نظرك على  | ترنيمة الخروج:<br>أو               |
| الجوفة + الشعب                | 487  | 470          | ٢- يا قدسية يا رؤوفة                                    |                                    |

\*طريقة الأداء: جوفة + شعب، سولو، جوقنان، ثنائي